TEST CODE	8	7	1	1	5	0	7

UPPSC MAINS 2025

Time Allowed : Three Hours
समय : तीन घंटे

ForumIAS

Maximum Marks : 150
अधिकतम अंक : 150

GENERAL HINDI / सामान्य हिन्दी

Name Of Candidate परीक्षार्थी का नाम	ANNU SINGH		
Roll No./ अनुक्रमाक	1910111245	**Medium/ माध्यम**	English ☐ हिन्दी ☐
Center Code/ परीक्षा केंद्र	1901	**Date/ दिनांक**	20/03/26

*Center Code : For Online – 1900 / Delhi : Karol bagh – 1901, ORN - 1902, Mukharji Nagar - 1903 / Patna : Boring Rd. – 2001 / Hyderabad : Jawahar Nagar - 2101

INDEX TABLE / अनुक्रमणिका

Q. No. प्र.सं.	Max. Marks अधिकतम अंक	Marks Obtained प्राप्तांक
1		
2		
3		
4		
5		
6		
7		
8		
9		
10		
11		
12		
13		
14		
15		
16		
17		
18		
19		
20		
Total/ कुल अंक	**150**	

Examiner's Discretion/ मूल्यांकन कर्त्ता का विवेक:

Total Marks/ कुल अंक :

*Examiner's Discretion is the marks awarded at the discretion of the examiner based on your overall impression, on the basis of (but not limited to) your handwriting, presentation, use of diagrams, flowcharts, facts and figures or absolutely anything that he/she liked in your copy.

मूल्यांकन कर्त्ता का विवेक अंक, आपकी लिखावट, प्रस्तुति, आरेखों के उपयोग, फ्लोचार्ट, तथ्यों और आकड़ों या समग्र रूप किसी अन्य विषय वस्तु, जो मूल्यांकन कर्ता को आपकी कॉपी में पसंद आयी के आधार पर (लेकिन इन्हीं तक सीमित नहीं) पर दिए गए अंक हैं।

INSTRUCTION / अनुदेश

1. Please do furnish Name, Email, Roll No and Mobile in the answer sheet.
कृपया उत्तर–पुस्तिका में नाम, ईमेल, रोल नंबर और मोबाइल नंबर भरें।

2. There are **EIGHT** questions printed in this booklet, all questions are compulsory.
उत्तर पुस्तिका में 8 प्रश्न दिए गए हैं, सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

3. The number of marks carried by a question/part is indicated against it.
प्रत्येक प्रश्न/भाग के लिए निर्धारित अंक उसके सामने अंकित किए गए हैं।

4. Answers must be written in the medium authorized in the admission Certificate, which must be stated clearly on the cover of this Question-Cum-Answer (QCA) Booklet in the space provided.
उत्तर प्रवेश पत्र में अधिकृत माध्यम में लिखे जाने चाहिए, जो कि दिए गए स्थान में इस प्रश्न–सह–उत्तर (क्यूसीए) पुस्तिका के कवर पर स्पष्ट रूप से लिखा जाना चाहिए।

5. Word limit in questions, if specified, should be adhered to. Any page or portion of the page left blank in the Question-Cum Answer Booklet must be clearly Struck off.
प्रश्नों में शब्द सीमा, यदि निर्दिष्ट हो, का पालन किया जाए। प्रश्न–सह–उत्तर पुस्तिका में खाली छोड़े गये किसी भी पृष्ठ या पृष्ठ के भाग को स्पष्ट रूप से काट दें।

For Student Only / केवल परीक्षार्थी प्रयोग हेतु

Start Time/ प्रारंभ करने का समय : 01:45	**End Time/ समाप्त करने का समय :** 4:00
Mode Of Examination/ परीक्षा की विधि :	Online/ ऑनलाइन ☐ Offline/ ऑफलाइन ☑

For Office Use Only / केवल कार्यालय प्रयोग हेतु

ECN CODE/ ईसीएन कोड :	**EG/ ईजी :** ① ② ③ ④ ⑤	**Evaluation Date/ मूल्याकन तिथि:**

Note: Students are expected to incorporate suggestions from the feedback provided in the answers. Discussion classes for the tests are also available online in your portal to aid in your preparation. Further, students are requested to see the good copies of the tests and learn from them. You can also discuss your copy with a Mentor and discover ways and means to improve your answers, or if you have any issues with this test / copy. Ask specific questions, to get specific answers.

EXAMINER'S REMARKS

ForumIAS

CRITERIA FOR THE FEEDBACK SECTION AT THE END OF EACH QUESTION

1. **AWIS = Answered What is Asked.** This means whether you have addressed the core demand of the question or not. Addressing the core demand of the question gets you an objectively fair score. It is examiner's perception if you have understood the question and if you know the answer in the first place. Creative answer writing, sometimes missing the core demand, may fetch very high or very low scores, and exposes your answer to the subjectivity of the examiner.
2. **CD & VA = Content Density & Value Addition.** Examiner will evaluate the quality and quantity of your content in the answer. In the same word limit and space limit have you (a) written what is asked (b) gone beyond what is asked (c) enriched answers through combination of (-but not all!) suggestions, ideas, quotes, flowcharts, diagrams, facts and figures, data etc. This affects objective components of assessment.
3. **S & F = Structure & Flow** = Whether you have structured your answer properly or not. Whether the answer has been broken into parts and sub-parts and each part has been addressed appropriately or not. Whether the flow of the answer is maintained. Affects both subjective and objective components of assessment.
4. **P & R** = How your answer performs on the criteria of **presentation, ease of read, clarity and apparent effort** in writing the answer. This affects the subjective components of assessment.

Q.1) निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़िए और नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर दीजिये:

किसी परिमित वर्ग से कल्याण से संबंध रखने वाले धर्म की अपेक्षा विस्तृत जनसमूह के कल्याण से संबंध रखने वाला धर्म, उच्च कोटि का है। धर्म की उच्चता उसके लक्ष्य के व्यापकत्व के अनुसार समझी जाती है। गृहधर्म या कुल धर्म से समाज धर्म श्रेष्ठ है, समाज-धर्म से लोकधर्म, लोकधर्म से विश्वधर्म, जिसमें धर्म अपने शुद्ध और पूर्ण स्वरूप में दिखाई पड़ता है। यह पूर्ण धर्म अंगी है और शेष धर्म अंग। पूर्ण धर्म, जिसका संबंध अखिल विश्व की रक्षा से है, वस्तुतः पूर्ण पुरुष या पुरुषोत्तम में ही रहता है, जिसकी मार्मिक अनुभूति सच्चे भक्तों को ही हुआ करती है, इसी अनुभूति के अनुरूप उनके आचरण का भी उत्तरोत्तर विकास हो जाता है। गृह धर्म पर दृष्टि रखने वाला लोक या समस्त या किसी परिवार की रक्षा देखकर, वर्ग धर्म पर दृष्टि रखने वाला, किसी वर्ग या समाज की रक्षा देखकर और लोक धर्म पर दृष्टि रखने वाला लोक या समस्त मनुष्य जाति की रक्षा देखकर आनन्द का अनुभव करता है। पूर्ण या शुद्ध धर्म का स्वरूप सच्चे भक्त ही अपने और दूसरों के सामने लाया करते हैं, जिनके भगवान पूर्ण धर्म स्वरूप हैं, अतः ये कीटपतंग से लेकर मनुष्य तक सब प्राणियों की रक्षा देखकर आनन्द प्राप्त करते हैं। विषय की व्यापकता के अनुसार उनका आनन्द भी उच्च कोटि का होता है। उच्च से उच्च भूमि के धर्म का आचरण अत्यन्त साधारण कोटि का हो सकता है इसी प्रकार निम्न भूमि के धर्म का आचरण उच्च से उच्च कोटि का हो सकता है। गरीबों का गला काटने वाले चीटियों के बिलो पर आटा फैलाते देखे जाते हैं, अकाल पीड़ितों की सहायता में एक पैसा चंदा न देने वाले अपने डूबते मित्र को बचाने के लिय प्राण संकट में डालते देखे जाते हैं।

(क) प्रस्तुत गद्यांश का भावार्थ अपने शब्दों में लिखिये । 5

(ख) धर्म समाज का कल्याण कैसे करता है? इसे गद्यांश के आधार पर स्पष्ट कीजिये । 5

(ग) उपर्युक्त गद्यांश की रेखांकित पंक्तियों की व्याख्या कीजिये । 20

(क) उपर्युक्त गद्यांश में लेखक का भाव यह है कि धर्म कई प्रकार के होते हैं जैसे गृहधर्म, कुलधर्म, समाज-धर्म, लोक-धर्म, विश्वधर्म। इन सभी धर्मों में विश्वधर्म या समाज धर्म सबसे अच्छा माना जाता है। इस समाज को निरन्तर ऐसे लोगों की आवश्यकता होती है जो समाज को और इस पृथ्वी पे सभी लोगों का एक जैसा समझते हैं। ऐसे लोग सिर्फ मनुष्यों की सेवा करना धर्म नही समझते बल्कि पेड़-पौधो, कीट-पतंगो और जानवारों की रक्षा करते हैं। कुछ लोग यह सोचते हैं कि ईश्वर की निरन्तर सेवा करके अपने धर्म का पालन कर रहें हैं। इस प्रकार के लोग बड़ा और तुच्छ जीवन मे विश्वास करते हैं। जब विपरीत परिस्थितियाँ आती हैं तो वे अपना साध्य साधने लगते हैं। और जो उच्च कोटि के लोग होते हैं वे अपना साधारण, छोटा कार्य निरन्तर सेवा करते रहते हैं और परिस्थितियों के अनुसार नहीं बदलते।

(Don't Write anything in this Area / इस स्थान पर कुछ न लिखें)

(ख) इस गद्यांश के आधार पर धर्म कई प्रकार का होता है। गृह धर्म, समाज धर्म, लोकधर्म, विश्वधर्म। इन सभी धर्मों में से विश्वधर्म मतलब विश्व की रक्षा से है। विश्वधर्म केवल कुछ लोगों को ही अनुभूति होती है। संसार में अनेकों लोग लोग रखते हैं उच्च कोटि का, परन्तु वे केवल स्वार्थ को सिद्ध करना चाहते हैं। ऐसा धर्म केवल कुल, वर्ग, समाज, देश को देखकर नहीं आता, परन्तु यह समाज कल्याण, मनुष्यता को प्रकट करता है। ऐसा धर्म मनुष्य को अन्दर से दूसरों के प्रति संवेदनशील बनाता है। न केवल दुसरे मनुष्य किंतु पेड़-पौधे, पशु-पक्षी, कीट-पतंग, निर्जीव चीजों के प्रति भी संवेदनशील बनाता है। और उनकी रक्षा के लिए प्रेरित करता है।

(ग) किसी परिमित वर्ग - - - - - - - - - - उच्च कोटि का है।
पूर्ण धर्म, जिसका संबंध - - - - - - पुरुषोत्तम में ही रहता है।
~~अमीरों~~ गरीबों का गला - - - - - - में डालते देखे जाते हैं।

उपर्युक्त पंक्तियों में लेखक का आशय यह है कि जो धर्म केवल एक विशेष समूह या वर्ग से संबंध रखता है, निम्न कोटि का माना जाता है जबकि जो धर्म विस्तृत जनसमूह के कल्याण से संबंध रखता है उच्च कोटि का समझा जाता है। किसी विशेष समूह की कुछ समस्यायें कुछ विचार भिन्न होते हैं जो कभी-कभी मनुष्यता के खिलाफ भी उत्पन्न हो जाते हैं। अगर धर्म केवल एक वर्ग से सम्बन्धित होगा तो इस वर्ग की सभी विचारधाराओं

को ऊपर रखने का प्रयास करेगा। और अन्ततः दो समुहों-वर्गों के बीच द्वेष उत्पन्न होने का खतरा हमेशा बना रहेगा। धर्म एक ऐसी चीज़ है जो कि मनुष्य को किसी विशेष समुह से जुड़ाव को प्रदर्शित करती है। धर्म अर्थात् उसका संचालन, उसके कर्म। अतः ऐसा कर्म जो एक विशेष समुह को फायदा दे तथा दूसरे को नुकसान हमेशा निम्न कोटि का बना रहेगा। समुह में विभाजित करने का निर्णय स्वयं मनुष्य का था ना कि ईश्वर का। ईश्वर ने तो सभी को समान बनाया। सभी मनुष्य ईश्वर की नज़र में समान हैं। अतः धर्म अगर किसी से सम्बन्धित होना चाहिये तो वह मनुष्य से है जो कि समुह, वर्ग, कुल, देश से परे होना चाहिये। और जिस भी व्यक्ति ने मनुष्यता को इसके पूर्ण व्यक्तित्व में स्वीकार कर लिया तो ~~वह~~ वह व्यक्ति अपने आप में साधारण मनुष्य की श्रेणी से ऊपर उत्तम की स्थिति में खुद को पाता है। ऐसे पुरुष या व्यक्ति पूर्ण कहलाते हैं। ऐसे पुरुषों के मन में किसी के प्रति द्वेष नहीं रहता है और वे सम्पूर्ण समाज (अखिल विश्व) को रक्षा प्रदान करते रहते हैं। ऐसी संवेदनशीलता केवल कुछ ही लोगों को मुश्किल से प्राप्त होती है। क्योंकि इस अवस्था को प्राप्त करने के लिये उच्चकोटि की नजर जो सबको समान दृष्टि से देखने वाली चाहिये।

(Don't Write anythi
in this Area / इस स्थ
पर कुछ न लिखें)

इन सभी लोगों में कुछ ऐसे लोग भी होते हैं जो कि आडम्बर से परिपूर्ण होते हैं। ऐसे आडम्बर से परिपूर्ण लोग विशेषत: कुछ परिस्थितियों में नजर आ जाते हैं। जब ऐसे धोखेबाज लोगों पर उँगलियां उठायी जाती हैं तो वे भयभीत हो जाते हैं और उनका दिखावा और भी बढ़ जाता है ताकि उनकी पहचान गोपनीय रह सके। ऐसे लोग इस अवस्था में चोरी छिपे कितने ही दुष्कर्म करते हैं, लोगों को धोखा देते हैं, छलते हैं, कमजोरों का फायदा उठाते हैं परन्तु जब लोगों की नजर में आते हैं तो यो आडम्बर और मिथ्या का सहारा लेते हैं। ऐसे लोग केवल स्वार्थी होते हैं। जो सिर्फ लोगों को माध्यम बनाकर अपना साध्य साधते हैं। इनका धर्म निम्न कोटि का जान पड़ता है। जो केवल अपने बारे में सोचते रहते हैं।

Feedback
(For OFFICE use only)

#	G	A	P
AWIS			
CD & VA			
S & F			
P & R			

Please put tick marks in the above table.
Here G is Good, A is Average and P is Poor.

TOTAL MARKS	

Q.2) निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर निर्देशानुसार उत्तर लिखिए ।

विद्वानों का मानना है कि राजनीति ने भाषा को भ्रष्ट कर दिया है; शब्दों से उनके सही अर्थ छीनकर उन्हें छद्म अर्थ पहना दिए हैं । संसद, संविधान, कानून, जनहित, न्याय, अधिकार, साक्ष्य, जाँच जैसे ढेरों शब्द अपना असली अर्थ खोकर बदशक्ल हो चुके हैं। शब्द भले ही अच्छा या बुरा कोई भी अर्थ प्रकट करता हो, जब अपना असली अर्थ खो देता है, तो वह बदशक्ल हो जाता है। भाषा का भ्रंश, अंततः सामाजिक मानवीय मूल्यों का भ्रंश है। कल्पना कीजिए कि एक मनुष्य दूसरे मनुष्य से जो कहे उसका वही अर्थ ना हो, जो भाषा प्रकट करती है या ऐसे अनुभवों की पुनरावृत्ति के कारण दूसरा व्यक्ति उसे सही अर्थ में ना लेकर उसमें अनर्थ या अन्य अर्थ खोजने लगे तो क्या होगा ? यह मनुष्य का मनुष्य पर से विश्वास उठने का मामला है, जो सामाजिक विश्रृंखलता का पहला और अंतिम चरण है। पहला इसलिए कि भाषा को मनुष्य ने परस्पर संवाद और सही संप्रेषण के लिए गढ़ा है और अंतिम इसलिए कि आगे चलकर मनुष्य का कर्म भी भाषा के मूल अर्थ का नहीं उसके भ्रंश का रूप ले लेता है । यह इस तरह होता है कि छद्म अर्थ का वाहन करते-करते भाषा अंततः हमारे कर्म को ही छद्म में बदल देती है। क्या हम भाषा को भ्रष्ट करने की परिणति राजनीतिक और सामाजिक जीवन के चरम पतन में नहीं देख रहे?

(क) प्रस्तुत गद्यांश के लिए उचित शीर्षक दीजिए । 5

(ख) उपर्युक्त गद्यांश के आधार पर भाषा की भूमिका पर प्रकाश डालिये। 5

(ग) उपर्युक्त गद्यांश का संक्षेपण कीजिए । 20

(क) भ्रष्ट होती भाषा और इसके परिणाम ।

(ख) अर्युकत गद्यांश में भाषा की महत्ता का वर्णन किया गया है। भाषा की भूमिका मनुष्य को दूसरे मनुष्य पर विश्वास का साधन है। यह परस्पर संवाद और सही सम्प्रेषण का मूलभूत अंग है। भाषा एक सामाजिक मूल्यों को दिशा देती है। भाषा का प्रभाव हमारे राजनीतिक और सामाजिक जीवन सदैव दिखायी पड़ता है। विद्वानों का मानना है कि भाषा भ्रष्ट हो रही है। अगर भाषा भ्रष्ट हो गयी तो सभी अच्छे शब्दों का मतलब/ असली अर्थ विकलांग हो जायेगा । इस विकलांगता की वजह से मनुष्यों के बीच सही सम्प्रेषण नहीं होगा जो कि संवाद का एक महत्वपूर्ण साधन है। इसकी भ्रष्टता से आगे चलकर कर्म भी भ्रष्ट होने लगेंगे।

(Don't Write anythi
in this Area / इस स्थ
पर कुछ न लिखें)

(ग) संक्षेपण —

विद्वानों को इस बात का खतरा है कि राजनीति का बुरा असर भाषा पर पड़ा है। भाषा अपना असली अर्थ खोकर विकृत हो गये हैं। भाषा का अर्थ जो चीज जैसी है वैसी प्रकट करना है परन्तु अब यह भ्रष्ट हो गयी है। भाषा की स्थिति बिगड़ने से अर्थ का अनर्थ होते देर नहीं लगेगी। और इसके अनर्थ बनने से उसके अन्दर ~~निहित~~ निहीत भाव भी बदल जायेगा। भाव बदलने से मनुष्यों का एक दूसरे के ऊपर से भरोसा डगमगा जायेगा जो कि सामाजिक तत्व के लिये चुनौती बन सकता है। भाषा के अर्थ बदलने से परस्पर संवाद और सही प्रेषण में विभिन्नता आ सकती है। अतंत; इसका प्रभाव मनुष्यों के कर्मों में साफ-साफ दिखायी देने लगेगा।

(Don't Write anythi in this Area / इस स्थ पर कुछ न लिखें)

Feedback

(For OFFICE use only)

#	Ⓖ	Ⓐ	Ⓟ
AWIS			
CD & VA			
S & F			
P & R			

Please put tick marks in the above table.

Here G is Good, A is Average and P is Poor.

TOTAL MARKS	

Q.3) निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए

(क) कार्यालय आदेश किसे कहते हैं? शिक्षा विभाग, उत्तर प्रदेश की ओर से जारी विशेष छात्रवृत्ति योजना संबंधी कार्यालय आदेश का प्रारूप तैयार कीजिए। **10**

(ख) भारत सरकार की तरफ से एक परिपत्र जारी कीजिए जिसमें राज्यों को यह निर्देश दिया गया है कि वे यथाशीघ्र नई शिक्षा नीति 2020 को अपने राज्यों में लागू करें। **10**

कार्यालय आदेश— यह एक ऐसा पत्र लेखन का प्रकार है कि इसमें कार्यालय को दूसरे कार्यालय द्वारा आदेश दिया जाता है। यह कार्यालय के अन्दर भी दिया जा सकता है।

विशेषताएँ :- यह एक विभागीय पत्र है। इसकी भाषा पूर्णत: फॉर्मल होती है।
इसकी शुरुआत, जारी करने वाले की तरफ से की जाती है।
इसकी भाषा एक दम सरल और स्पष्ट होनी चाहिये।

(Don't Write anythi
in this Area / इस स्थ
पर कुछ न लिखे)

शिक्षा विभाग
उत्तर प्रदेश
लखनऊ, दि० 20/03/2025

कार्यालय आदेश

शिक्षा विभाग को प्राप्त पत्र संख्या-0816 को ध्यान में रखकर, विभाग ने विशेष छात्रवृत्ति में हो रहे कुछ समस्याओं का निर्धारण कर दिया है। विदित हो कि शिक्षा विभाग ने हाल-ही में कमजोर वर्गों के लिये छात्रवृत्ति की व्यवस्था की थी, जिससे की उनमें कमजोर वर्ग के छात्रों को आगे की पढ़ाई में बाधा न आये। अतः इस योजना का लाभ, जरूरतमंद बच्चों को बिना किसी समस्या के, उन तक पहुँचावे।

आज्ञा से,
ह०- —,
(अ०ब०स०)
सचिव, शिक्षा विभाग)

शा०प०सं० बी 813/251092

(क) प्रेषक,

अ०ब०स०,
सचिव,
भारत सरकार,
नई दिल्ली,।

सेवा में,

समस्त सचिव,
शिक्षा विभाग।

नई दिल्ली, 20/03/2026

~~महोदय~~ विषय :- नई शिक्षा नीति 2020 को राज्यों में लागू करने के उपलक्ष्य में।

महोदय,

मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि नई शिक्षा नीति 2020 के छः वर्ष बीतने के बाद भी इसका पूर्ण रूप से नियमन नहीं हुआ है। इस शिक्षा नीति का उद्देश्य समान प्रकार की सभी राज्यों में शिक्षा व्यवस्था को लाना तथा शिक्षा में मूलभूत परिवर्तन करना है। जिससे की बच्चों के अन्दर जिज्ञासा को बढ़ावा देना है। अतः यथाशीघ्र नई शिक्षा नीति 2020 को अपने राज्यों में लागू करावें।

भवदीय
ह० ---
(अ०ब०स०)
सचिव।

(Don't Write anything in this Area / इस स्थान पर कुछ न लिखें)

Feedback
(For OFFICE use only)

#	G	A	P
AWIS			
CD & VA			
S & F			
P & R			

Please put tick marks in the above table.
Here G is Good, A is Average and P is Poor.

TOTAL MARKS	

(Don't Write anythi in this Area / इस स्थ पर कुछ न लिखें)

Q.4) निम्नलिखित शब्दों के विलोम शब्द लिखिये । 10

अनुक्रिया, अधिष्ठित, वादी, आगमन, सज्जन, सुपत्र, राग, सम्मुख, सलज्ज, उदात्त

प्रक्रिया

अनाधिष्ठित

प्रतिवादी

गमन

दुर्जन

कुपुत्र

विराग

विमुख

निर्लज्ज

अनुदात्त / विनम्र

(Don't Write anythi in this Area / इस स्थ पर कुछ न लिखें)

Feedback
(For OFFICE use only)

#	Ⓖ	Ⓐ	Ⓟ
AWIS			
CD & VA			
S & F			
P & R			

Please put tick marks in the above table.

Here G is Good, A is Average and P is Poor.

TOTAL MARKS	

Q.5) (क) निम्नलिखित शब्दों में प्रयुक्त उपसर्गों की पहचान कीजिए। **5**

दुष्प्राप्य, अध्यात्म, अभ्युदय, स्वागत, प्रत्यक्ष ।

(ख) निम्नलिखित शब्दों में प्रयुक्त प्रत्ययों को पृथक् कीजिए। **5**

पावक, पाणिनीय, झाड़ू, शक्ति, बलिष्ठ।

(क)

शब्द	उपसर्ग
दुष्प्राप्य	दुः
अध्यात्म	अधि
अभ्युदय	अभि
स्वागत	सु
प्रत्यक्ष	प्रति

(ख)

शब्द	प्रत्यय
पावक	अक
पाणिनीय	ईय
झाड़ू	ऊ
शक्ति	इ
बलिष्ठ	इष्ठ

(Don't Write anythi
in this Area / इस स्थ
पर कुछ न लिखें)

ForumIAS

Feedback

(For OFFICE use only)

#	Ⓖ	Ⓐ	Ⓟ
AWIS			
CD & VA			
S & F			
P & R			

Please put tick marks in the above table.

Here G is Good, A is Average and P is Poor.

TOTAL MARKS	

Q.6) निम्नलिखित वाक्यांशों या पदबंध के लिए एक-एक शब्द लिखिए **10**

(i) जो कहीं लौटकर आया हो

(ii) जो अपनी जन्मभूमि छोड़कर विदेश में वास करता हो

(iii) जिसे करना बहुत कठिन हो

(iv) जिस पर अभियोग लगाया गया हो

(v) जो अपनी पत्नी के साथ हो

(i) प्रत्यागत

(ii) प्रवासी

(iii) दुष्कारी

(iv) अभियोगी

(v) सहपत्नी

(Don't Write anythi in this Area / इस स्थ पर कुछ न लिखें)

Feedback

(For OFFICE use only)

#	G	A	P
AWIS			
CD & VA			
S & F			
P & R			

Please put tick marks in the above table.

Here G is Good, A is Average and P is Poor.

TOTAL MARKS	

Q.7) (क) निम्नलिखित वाक्यों को शुद्ध कीजिये। 5

(1) तुम तुम्हारी किताब ले जाओ।

(2) यही सरकारी महिलाओं का अस्पताल है।

(3) यह एक गहरी समस्या है।

(4) मोहन आगामी वर्ष कलकत्ता गया था।

(5) गणित एक कठोर विषय है!

(ख) निम्न शब्दों की वर्तनी का संशोधन कीजिये । 5

व्यवहारिक, तत्कालीक, आशीर्वाद, पुज्यनीय, इच्छिक

(क) (1) तुम अपनी किताब ले ~~आ~~ जाओ।

(2) यह सरकारी अस्पताल ~~म~~ महिलाओं का है।

(3) यह गहरी समस्या है।

(4) मोहन पिछले वर्ष कलकत्ता गया था।

(5) गणित एक कठिन विषय है।

(ख) व्यावहारिक

तत्कालिक

आशीर्वाद

पूजनीय

ऐच्छिक

(Don't Write anythi in this Area / इस स्था पर कुछ न लिखें)

Feedback
(For OFFICE use only)

#	Ⓖ	Ⓐ	Ⓟ
AWIS			
CD & VA			
S & F			
P & R			

Please put tick marks in the above table.
Here G is Good, A is Average and P is Poor.

TOTAL MARKS	

Q.8) निम्नलिखित मुहावरों / लोकोक्तियों के अर्थ लिखिए और उनका वाक्यों में प्रयोग कीजिए। **30**

(1) चूहे के चाम से नगाड़ा नहीं बनता।

(2) खूँटे के बल बछड़ा कूदे।

(3) दालभात में मूसरचंद।

(4) पराए धन पर लक्ष्मीनारायण।

(5) एक ही लकड़ी से सबको हाँकना।

(6) अधजल गगरी छलकत जाए।

(7) लहू के आँसू पीना।

(8) मीठी छुरी चलाना।

(9) निन्यानबे के फेर में पड़ना।

(10) जबान पर लगाम न देना।

(1) कम संसाधन से बड़े कार्य नहीं होते।

प्रयोग: प्रसून को स्कूल में प्रोजेक्ट बनाने के लिए सामान की आवश्यकता थी। उसने अपने पापा को बोला, पापा ने ₹10 दिये। प्रसून ने कहा सिर्फ रु10। चूहे के चाम से नगाड़ा नहीं बनता।

(2) बलवान के बल पर कमजोर का घमण्ड।

प्रयोग: पाकिस्तान की परिस्थिति को देखकर राम ने कहा कि चीन, पाकिस्तान की मदद तो कर रहा लेकिन पाकिस्तान की स्थिति बेहतर नहीं है। खूँटे के बल बछड़ा कूदे।

(3) दालभात में मूसरचंद ÷ बेमेल संगत

प्रयोग: प्रधान ने सीता, गीता के साथ रचना को देखकर कहा कि सीता और गीता पढ़ने में बहुत अच्छी है तुम रचना क्यों दाल भात में मूसलचंद बन रही हो।

(4) कर्ज लेकर ऐश्वर्य से रहना।

प्रयोग- राम ने पाकिस्तान को आई०एम०एफ० से काफिरे से कर्जा लेते हुए, देखकर कहा कि पराए धन पर लक्ष्मी नारायण।

(5) सबसे समान व्यवहार करना।

प्रयोग- गाँव के प्रधान सुमेर हमेशा सुर्खियों में रहते थे क्योंकि उनका विचार कुछ भिन्न था। वह सबको एक ही लकड़ी से हाँकते थे।

(6) ज्ञान कम, दिखावा ज्यादा।

प्रयोग- हाल में ही, दो आकांक्षा ने यू०पी०एस०सी० पास करने का दावा किया। बिहार की आकांक्षा ने मीडिया में पास कैसे करने का मोटिवेशन भी दे दिया। अंत में उसका झूठा दावा निकलने पर उसके साथ वालो ने कहा अधजल गगरी छलकत जाए।

(7) लहू के आँसू पीना - अत्यधिक कष्ट सहना।

प्रयोग- गाजा में रह रहे लोगों का अभी तक हाल बुरा है। वहाँ पर लगातार लड़ाई की वजह से कई लोग लहू के आँसू पी रहे हैं।

(8) प्रिय वचन बोलकर काम निकलवाना।

प्रयोग- शकुनि मामा, महाभारत में, अपने अपमान का बदला लेने के लिये, मीठी छुरी चलाकर

दुर्योधन का मन दूषित कर दिया और महाभारत का युद्ध हुआ।

(9) कार्य का पूरा न होना।

प्रयोग- राजीव पाँच-छः बार से परीक्षा में उत्तीर्ण नहीं हो पा रहा था। राजीव के मित्र ने कहा, कोई सरल परीक्षा देख लो क्यों निन्यानबे के फेर में पड़े हो।

(10) बिना सोचे समझे कुछ भी बोलना।

प्रयोग - आजकल संसद में हमारे सांसद लोग कुछ भी बोल कर लगातार मीडिया में बने रहना चाहते हैं। इसी पर वरिष्ठ मंत्री ने पलटवार करते हुए कहा कि सांसद लोग जबान पे लगाम नहीं दे रहे हैं।

(Don't Write anythi in this Area / इस स्थ पर कुछ न लिखें)

Feedback

[For OFFICE use only]

#	G	A	P
AWIS			
CD & VA			
S & F			
P & R			

Please put tick marks in the above table.

Here G is Good, A is Average and P is Poor.

TOTAL MARKS	

Mentor Feedback Questions

1 .....

2 .....

3 .....

4 .....

5 .....

Test Goal

1 ..... ☐

2 ..... ☐

3 ..... ☐

Outcomes

.....

.....

.....

.....

.....

.....

Marking Scheme

Mark	Good	Average	Below average
10 Marker	3.75 – 5.0	3.0 – 3.5	< 3.0
15 Marker	5.75 – 7.0	4.0 – 5.5	< 4.0
20 Marker	7.75 - 10	6 - 7.5	< 6
✓✓	Key / Relevant Point		
✖	Vague / Irrelevant		

* Subject to change without prior notice.

Availing Mentorship - Now made easy & seamless via mentorship.forumias.com

Dear Students,

You can now avail Mentorship in both online & offline mode seamlessly. All you need to do is login to below URL and pick up a date and time and your Mentorship is scheduled at the designated time.

Visit the URL https://mentorship.forumias.com or Scan the QR code

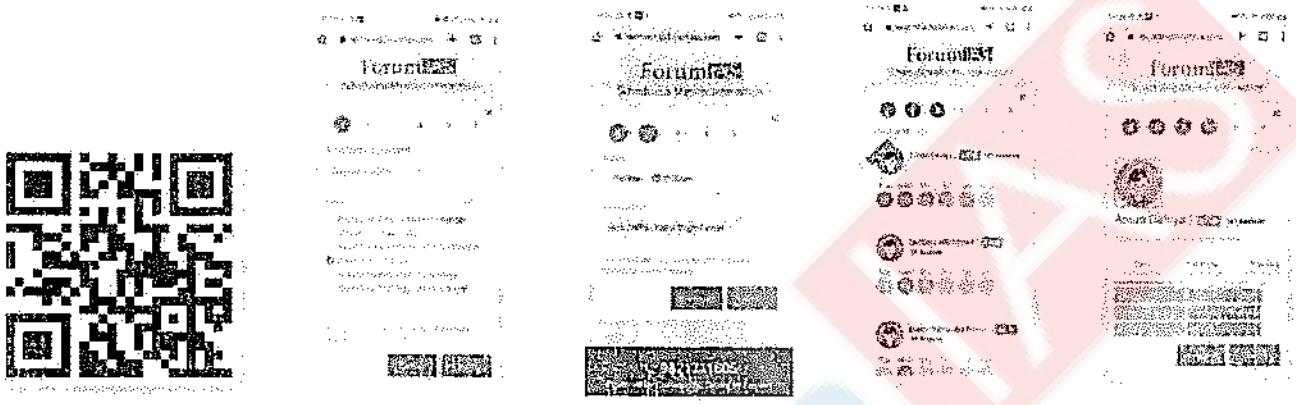

When must you seek mentorship? When you are unable to fully comprehend the directions given by the evaluator in the MGP copy. A Mentor will help you understand the nuances of your evaluated MGP copy. He / She will also be able to make suggestions, if needed, on improvements that you could make.

If we are already doing well, a reinforcement from the Mentor will further assist us in following the right path. A Mentor may also be able to give valuable inputs with respect to time management, presentation, structure etc. He may recommend you clearly to work on content or may suggest you to take courses / read books in case he feels you lack content that may be quickly improved with a course at ForumIAS or elsewhere, or some study material.

To download topper's copies, visit the link https://blog.forumias.com/testimonials

Topper's Testimonials and Test Copies

CSE 2021 Topper's Testimonials and Test Copies

CSE Rank 1, Shruti Sharma, Download MGP Copies + Testimonial Click Here
CSE Rank 5, Utkarsh Dhyedi, Download MGP Copies + Testimonial Click Here
CSE Rank 8, Ishita Rathi, Download MGP Copies Click Here
CSE Rank 9, Preetam Kumar, Download MGP Copies Click Here
CSE Rank 12, Yashorth Shekhar Download MGP Copies Click Here
CSE Rank 14, Abhinav Jain, Download MGP Copies Click Here
CSE Rank 17, Mehak Jain, Download MGP Copies Click Here
CSE Rank 19, Diksha Joshi, Download MGP Copies Click Here
CSE Rank 20, Ayat Chauhan, Download MGP Copies + Testimonial Click Here
CSE Rank 23, Ashish, Download MGP Copies Click Here
CSE Rank 24, Pusapati Sahitya, Download MGP Copies Click Here
CSE Rank 25, Shruti Rajlakshmi, Download MGP Copies + Testimonial Click Here
CSE Rank 26, Utsav Anand, Download MGP Copies Click Here
CSE Rank 28, Mourya Bharadwaj Mantri, Download MGP Copies + Testimonial Click Here
CSE Rank 30, Naman Goyal, Download MGP Copies + Testimonial Click Here
CSE Rank 35, Jaspinder Singh Download MGP Copies Click Here
CSE Rank 37, V Sangana Simran, Download MGP Copies Click Here
CSE Rank 39, Vishal Dhakad Download MGP Copies Click Here
CSE Rank 40, Kushal Jain, Download MGP Copies Click Here